

वासुद पुं. (तत्.) वासर, दिन।

वासुदेव पुं. (तत्.) 1. वसुदेव-पुत्र, कृष्ण, वसुदेव के वंशज 2. अश्व 3. पीपल वृक्ष 4. एक उपनिषद् वि. कृष्ण-विषयक।

वासोदत पुं. (फा.) 1. विरक्ति, बेजारी 2. मुसद् के रूप में लिखित काव्य जिसमें नायिका की निंदा तथा अपनी वेदना का वर्ण हो।

वास्कर वि. (तत्.) 1. फतुही 2. बिना आस्तीन का परिधान जिसे कोट के नीचे पहनते हैं 3. स्त्री. एक प्रकार की विलायती बंडी दे. (अं.) बेस्टकोट।

वास्तव वि. (तत्.) 1. प्रकृत, यथार्थ 2. सत्य।

वास्तविक वि. (तत्.) 1. सत्य, यथार्थ, ठीक 2. पुं. यथार्थवादी 3. माली।

वास्तवीकरण पुं. (तत्.) 1 मूर्त रूप में प्रस्तुत करने की क्रिया या भाव 2. इंद्रियग्राह्य बनाने की क्रिया।

वास्तव्य वि. (तत्.) 1. बसा हुआ, आबाद 2. रहने के लायक, निवास योग्य 3. रहने वाला, निवासी।

वास्ता पुं. (अर.) 1. किसी से प्रयोजनवश लगाव, सरोकार 2. नाता, संबंध, काम 3. मध्यस्थ, बिचुआ मुहा. वास्ता पड़ना- काम पड़ना; वास्ता देना- दुहाई देना, बीच में डालना; वास्ता रखना- किसी से मतलब या संबंध रखना।

वास्तु पुं. (तत्.) 1. भवन या इमारत बनाने योग्य, कोई स्थान 2. गृह, भवन 3. मकान की नींव 4. शिल्पी या राज मिस्त्री द्वारा बनाई जाने वाली वह रचना जो ईंट, पत्थर, लकड़ी आदि से निर्मित हो 5. बथुआ।

वास्तुकला स्त्री. (तत्.) गृह, भवन, दुकान आदि की रचना व तदनुरूप स्थान से संबंधित जानकारी देने वाला शास्त्र, वास्तुशास्त्र, स्थापत्य कला।

वास्तुकार पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो वास्तु विद्या का ज्ञाता हो, वास्तुविद्या का विशेषज्ञ 2. स्थपति।

वास्तुकाष्ठ पुं. (तत्.) 1. वास्तु के उपयुक्त काष्ठ 2. किसी भवन, इमारत आदि में चौखट, दरवाजे आदि बनाने के लिए प्रयुक्त की जाने वाली लकड़ी।

वास्तु पुरुष पुं. (तत्.) 1. वास्तु अर्थात् बसने योग्य स्थान का देवता 2. वास्तु से संबंधित देवता, वास्तु का अधिपति देवता।

वास्तुपूजा स्त्री. (तत्.) 1. किसी गृह-भवन आदि के निर्माण से पहले वास्तु देव का पूजन 2. गृहप्रवेश, दुकान आदि आरंभ करने के समय या पूर्व में वास्तुदोष की शांति के लिए किया जाने वाला वास्तुदेवता का पूजन, धार्मिक अनुष्ठान।

वास्तुप्रस्तर पुं. (तत्.) 1. भवन, इमारत आदि में प्रयुक्त किया जाने योग्य पत्थर 2. फर्श, छत आदि में प्रयोग के लिए उपयोगी पत्थर, इमारती पत्थर।

वास्तुयाग पुं. (तत्.) 1. गृह प्रवेश के समय गृहपति के द्वारा किया जाने वाला कोई विशेष यज्ञ, हवन या शांतिकर्म 2. गृहप्रवेश के समय वास्तुदेवता को प्रसन्न करने के लिए किया जाने वाला कोई अनुष्ठान या वास्तुशांति।

वास्तुविद् पुं. (तत्.) वास्तुविद्या का ज्ञाता, वास्तुकार।

वास्तुविद्या स्त्री. (तत्.) 1. गृह, भवन-निर्माण संबंधी विद्या 2. वास्तुशास्त्र।

वास्तुशास्त्र पुं. (तत्.) 1. वह शास्त्र जो भवन निर्माण आदि की कला का ज्ञान कराता हो, वास्तुविद्या 2. गृह-निर्माण संबंधी विद्या 3. वास्तुकला, स्थापत्य कला।

वास्तुशिल्प पुं. (तत्.) 1. वास्तु संबंधित कला या वास्तु रचना का विज्ञान 2. वास्तुकला।

वास्ते अव्य. (अर.) 1. लिए, निमित्त 2. कारण, हेतु जैसे- तुम्हारे वास्ते ये फल हैं, तुम्हारे वास्ते ही यह कार्यक्रम वहाँ आयोजित किया गया।

वास्य वि. (तत्.) 1. बसाये जाने के योग्य 2. निवास करने योग्य स्थान 3. आच्छादित करने योग्य या छाये जाने के योग्य स्थान।